

दक्षिण हरियाणा के 7 ज़िलों के किसानों को मल्लिगा लाभ

चर्चा में क्यों?

3 जुलाई, 2022 को हरियाणा सरकार दक्षिण हरियाणा के 7 ज़िलों के लिये विशेष योजना की शुरुआत की। इस योजना को अपनाने वाले किसानों को 4,000 रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- सरकार द्वारा फसल विधीकरण के अंतर्गत दलहन व तलिहन की फसलों को बढ़ावा देने के लिये इस नई योजना की शुरुआत की गई है।
- यह योजना झज्जर सहित दक्षिण हरियाणा के 7 ज़िलों नामतः भविनी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, हिसार व नूँह के लिये शुरू की गई है।
- राज्य के किसानों को यह लाभ दलहन और तलिहन फसलों की खेती करने के लिये दिया जाएगा। सरकार ने इन फसलों को उगाने वाले किसानों को प्रति एकड़ 4,000 रुपए का अनुदान देने का निर्णय लिया है।
- योजना की जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि सरकार किसानों की लागत को कम करके उनकी आमदनी बढ़ाने के लिये हरियाणा सरकार ने यह कदम उठाया है।
- राज्य में खरीफ फसल 2022 के दौरान एक लाख एकड़ में दलहनी व तलिहनी फसलों को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है।
- इस योजना के अंतर्गत दलहनी फसलें (मूंग व अरहर) को 70,000 एकड़ क्षेत्र में और तलिहन फसल (अरंड व मूंगफली) को 30,000 एकड़ में बढ़ावा दिया जाएगा। दलहन व तलिहन की फसल उगाने वाले किसान को 4,000 रुपए प्रति एकड़ वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- इस योजना का लाभ लेने वाले किसान को 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर पंजीकरण कराना ज़रूरी है। वित्तीय सहायता फसल के सत्यापन के उपरांत किसानों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी।